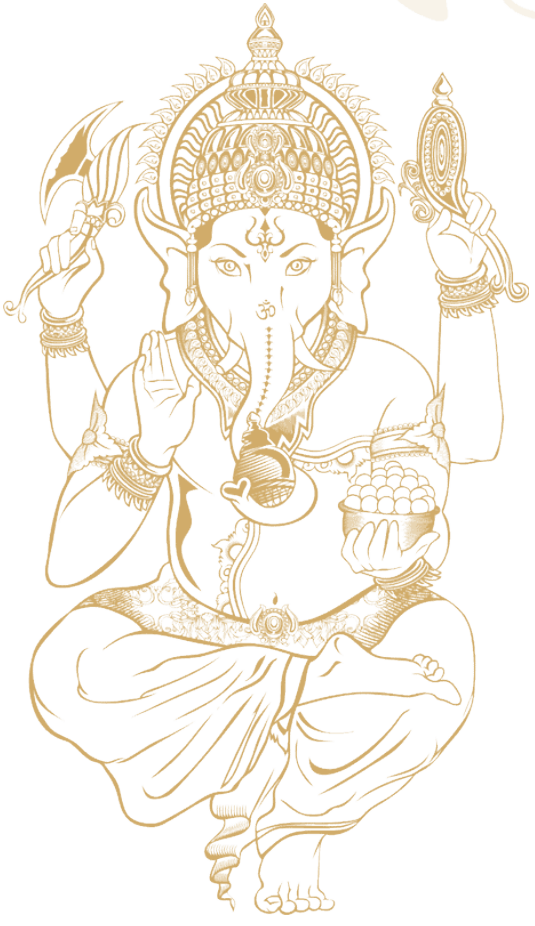

Mr. Yash Sharma

Ms. Kanchan Sharma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119748603

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/01/1997	जन्म तिथि	13-14/04/1997
रविवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 09:51:00	जन्म समय	05:00:00 घंटे
घटी 06:30:54	जन्म समय(घटी)	57:34:22 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Karnal
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	29:41:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	76:59:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:22:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:14:38	सूर्योदय	05:58:16
17:48:33	सूर्यास्त	18:47:30
23:48:59	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:07

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 5वर्ष 11मा 13दि	23:29:25	कुंभ	लग्न	मीन	08:35:44	गुरु 13वर्ष 6मा 10दि
राहु	05:19:13	मक	सूर्य	मेष	00:15:05	शनि
02/01/2010	15:23:45	वृष	चंद्र	मिथु	22:03:32	24/10/2010
03/01/2028	10:17:21	कन्या	मंगल व	सिंह	24:08:43	24/10/2029
राहु 14/09/2012	11:34:02	धनु	बुध	मेष	15:46:56	शनि 27/10/2013
गुरु 08/02/2015	05:36:23	मक	गुरु	मक	23:21:41	बुध 06/07/2016
शनि 15/12/2017	17:23:34	धनु	शुक्र	मेष	03:10:47	केतु 15/08/2017
बुध 03/07/2020	08:41:12	मीन	शनि	मीन	18:11:04	शुक्र 15/10/2020
केतु 22/07/2021	07:12:03	कन्या व	राहु व	कन्या	04:37:22	सूर्य 27/09/2021
शुक्र 21/07/2024	07:12:03	मीन व	केतु व	मीन	04:37:22	चन्द्र 28/04/2023
सूर्य 15/06/2025	10:29:38	मक	हर्ष	मक	14:30:12	मंगल 06/06/2024
चन्द्र 15/12/2026	03:41:45	मक	नेप	मक	06:03:00	राहु 13/04/2027
मंगल 03/01/2028	11:07:11	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:25:31	गुरु 24/10/2029

लग्न-चलित

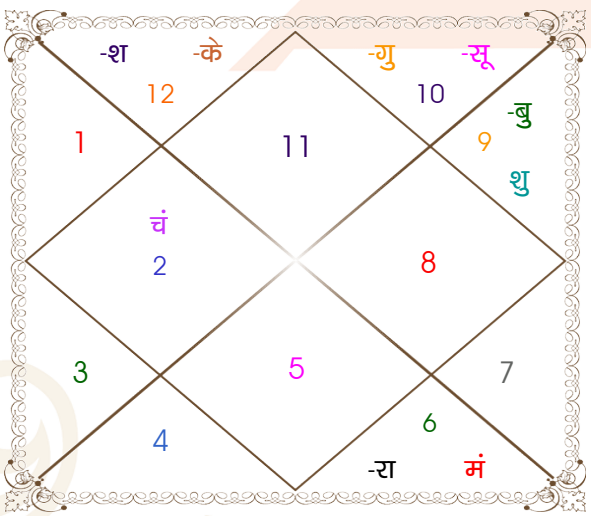

लग्न-चलित

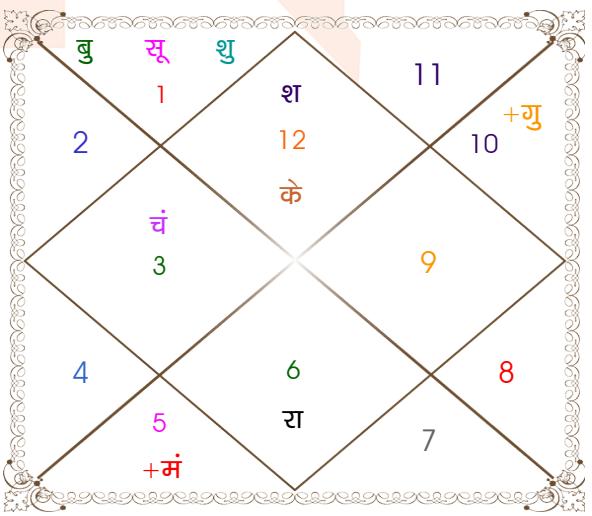

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण लैंीतउं का वर्ग मृग है तथा डेण झंदबींदंीतउं का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गो में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण लैंीतउं और डेण झंदबींदंीतउं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण लैंीतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु डतण लैंीतउं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण झंदबींदंीतउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण् झंदबींद ॅौतउं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण् लॅैौतउं तथा डेण् झंदबींद ॅौतउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com